>

Title: Regarding shortage of drinking water in Jalore-Sirohi Parliamentary Constituency of Rajasthan.

श्री देवजी एम. पटेल (जालौर): महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार को अवगत कराना चाहता हूं कि जालौर जिले में गर्मी के समय में पानी की बहुत बड़ी समस्या हो गई है। हमारे वहां तालाब सूख गये हैं और जो नर्मदा का पानी हम डालते थे, जो बारिश का पानी इकट्ठा हुआ था, वह सारा पानी सूख गया है। आज परिस्थिति यह है कि लोग वहां पर आंदोलन कर रहे हैं, मटके फोड़ रहे हैं, विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। हमारे दोंनों जिले डार्क जोन घोषित कर दिये गये हैं। वहां हमें कोई बोरवैल की भी परमिशन नहीं मिलती है। हम इतने परेशान हैं कि पानी लाएं तो लाएं कहां से? मैं आपको बताना चाहता हूं कि हमारे वहां पर जितनी भी जीएलआर की टंकी बनी हुई है, उसमें एक बूंद भी किसी गांव में पानी नहीं जा रहा है और सिटी में 72 घंटे में एक बार पानी आता है और वह भी वहां खड़े रहकर मटका भरना पड़ता है नहीं तो वह भी कब चला जाए, किसी को पता नहीं। वह भी प्रति व्यक्ति दस लीटर के हिसाब से जो टैंकर लगा रहे हैं, वह दस लीटर के हिसाब से सरकार खुद कह रही है कि हम प्रतिदिन एक आदमी को दस लीटर पानी देंगे। यह आप खुद सोचिए कि जो गर्मी चल रही है, इस गर्मी में दस लीटर में एक आदमी क्या पीएगा और क्या खाना पकाएगा और क्या वह जीएगा? उसके अलावा वहां पशुपालन है, पशुपालन के माध्यम से हम जी रहे हैं। पशु को हम क्या पानी पिलाएंगे? पशु वहां बिना पानी के मर रहे हैं। परिस्थिति यह है कि जैसे कि सूखा पड़ा हो और सूखे की मार हो, ऐसी परिस्थिति वहां चल रही है फिर भी सरकार कुछ ध्यान नहीं दे रही है।

मैं भी जानता हूं कि धरती के अंदर पानी की बहुत किल्लत है। जमीन में पानी नहीं है लेकिन जो हमारी सी.एम. वसुंधरा जी थीं, नरेन्द्र मोदी जी हैं, उन्होंने राजस्थान के अंदर पानी भेज दिया। नर्मदा का पानी आज वहां है और नर्मदा का जो पानी है, लूरी नदी में व्यर्थ जा रहा है। वह पानी अगर हम गांवों में दे देते हैं तो सिरोही, जालौर जिला और इनका भी जिला कभी प्यासे नहीं रहेंगे। आज मंत्री जी फर्मा रहे थे, स्कूल के बारे में बात कर रहे थे। महोदय, मैं पानी जैसे गंभीर विषय पर बात कर रहा हूं।...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: You speak about water only.

श्री देवजी एम. पटेल : महोदय, मैं पानी पर भी बोल रहा हूं। दोनों जिले के अंदर...(व्यवधान) MR. CHAIRMAN: In 'Zero Hour' you have to be very brief. It is not a discussion. You have to cooperate.

श्री देवजी एम. पटेल: दोनों जिले में कई स्कूल ऐसे हैं जहां पर पानी नहीं है। ...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: You tell specifically what you want.

...(*Interruptions*)

श्री देवजी एम. पटेल : आज वहां पर हालात ऐसे हो गये हैं कि बच्चे घर में पानी पहले लाकर फिर स्कूल जाते हैं, इतनी वहां पानी की किल्लत है।...(व्यवधान) वे बच्चे क्या पढ़ेंगे? मैं आपके माध्यम से यह चाह रहा हूं कि केन्द्र सरकार एक विशेष पैकेज तैयार करके हमें दें ताकि नर्मदा का पानी हम दोनों जिलों में पहुंचा सकें और स्कूलों में भी पानी पहुंचा सकें। धन्यवाद।

MR. CHAIRMAN: Now, Shri K. Sugumar.

Shri K. Sugumar, you please wait. You give it writing that you want to speak in Tamil. Only then, the translator will come and interpret. Now, the Tamil translator is not there.

SHRI K. SUGUMAR (POLLACHI): Sir, I have already given a notice.

MR. CHAIRMAN: It seems that the translator has not yet come. I will call you afterwards.

...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: What he speaks has to be recorded. I will call him afterwards.

Now, Shri Nikhil Kumar Choudhary.